

न्यायालय लहमीलदर राधागंगमंडी (मोरा)

प्रमथ नं. 8/2018

धूलिचन्द ए० रामसुख जाति वैरा नि० सालल खेड़ी

वमाभ

पाँद मन् ए० देवीलाल जाति कुमावत नि० मोला
वहू राधागंगमंडी

अन्वय धारा 183(बी) आर.टी.एम्.

निर्णय दिनांक 30-10-2018

अज्ञेय में विवेक इस प्रकार है कि प्रार्थी धूलिचन्द
ए० रामसुख वैरा नि० सालल खेड़ी ने इस आशय का प्रावण
प्रस्तुत किया है कि मंडी में खक भी खकें भी प्रति ख.ग.
89 की रकबा 0.54 है. का० II स्थित है। जिसे 4 सालों में
अप्रार्थी का माल करने पाँद पर दी थी लेकिन अब अप्रार्थी
के बदयान्त आने में पाँद भी नहीं दी जा रही है और इस
वर्ष मजता भी नहीं छोड़ रहा है। इसलिये विवेक किया है
कि उक्त प्रति अप्रार्थी में धूड़ाई जाकर पुनः दिलाई जावे।

प्रावण दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थी
का जर्ने नोटिफ तलक किया गया। अप्रार्थी का वजूद सूचना
के अनुषरत, एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिए जाते हैं।

प्रार्थी ने अपने आक्षेप शपथ-का प्रस्तुत
किया गया, शपथ पत्र में प्रार्थी ने खक के खकें भी
अज्ञेय ख.ग. 89 की रकबा 0.54 है. का० II 4 साल के
लिपें पाँद पर करने के लिये देना कहासा है।

३

P.T.O.-2.

लेकिन अब अप्रार्थी (पॉरिटर) द्वारा पॉरि की नहीं
की जा रही तथा इस वर्ष ग्रामि का कल्याण भी नहीं
हो रहा है। जिससे प्राथी को मुकामान हो रहा है।
एक निवेदन किया है कि उम्ह ग्रामि अप्रार्थी में मुक्त
दिलाई जायें।

पञ्चारी हलका में रेसर्ट व गार्ड की जांच
रिपोर्ट ली गई। रेसर्ट आदि का नाम बीड़गंड़ी की
ख.म. १९ रकबा ०.५५ है का.॥ खार्तार उली चम १०
राजकुष जानी के साथ निवासी भास्करबेदी के साथ दर्ज
रेसर्ट है। वर्तमान गार्ड पर उम्ह ग्रामि पर चोंदतक १०
देवीलाल कुमावत नि. दुर्गपुरा में कार्य कर कल्या कर रहा है।

एतने पञ्चारी में उपलब्ध काव्य/दस्तावेज/किताबें
नमूनों का गहनता में अवलोकन किया और इस निवेदन पर पट्टे
कि उम्ह विवादित ग्रामि प्राथी के खारे की ग्रामि है। प्राथी
अनु. जाति का सदस्य है। प्राथी के खारे की उम्ह ग्रामि
पर अप्रार्थी में अवैध रूप में कार्य की है। जो नियमकुल
प्रतिष्ठित नहीं है। तथा प्राथी को अपरिमित परि हो रही है।
अतः अप्रार्थी को उम्ह विवादित आराजी में केवलतक किसे
जागे के आदेश दिए जाते हैं। न. अन्ति लंछ निरीक्षण
क पञ्चारी हलका का पालन हेतु बहरीर जारी हो।
पञ्चाली नम्बर के सफ होकर दारिखत दफतर हो।

निवेदन कुमावत मया।

॥
नहमीलदार
राजगंड़ी